साढ़े–साती का ज्योतिषीय आकलन

गीता मेहरा

1. विषय प्रवेश

मनुष्य का मूलभूत गुण है कि वह अनहोनी की आशंका से भयभीत रहता है। कतिपय ज्योतिषियों ने शनि की साढ़े–साती को इतना भयावह रूप दिया है कि केवल साधारण ही नहीं, अपितु पढ़ा–लिखा व्यक्ति भी शनि की साढ़े–साती आने की बात सुनकर कांप जाता है। हालाँकि शनि की साढ़ेसाती का साहित्यिक सन्दर्भ नहीं मिलता, फिर भी ज्योतिषीय दुनिया में इसका बोल–बाला है।

इस लेख का यही विषय है कि क्या शनि की साढ़ेसाती सदैव भयावह फलप्रद होती है और यदि नहीं, तो किन–किन परिस्थितियों में कष्टप्रद होती है।

2. परिभाषा : एक राशि में शनि लगभग ढाई वर्ष रहते हैं। जब शनि गोचरवश, जन्म चन्द्र से द्वादश, प्रथम (जन्म चन्द्र पर) और द्वितीय भावगत होते हैं, तो शनि की इन तीन भावों पर गोचर अवधि 'शनि की साढ़ेसाती' कहलाती है।

एक मत यह भी है कि शनि गोचरवश जब जन्मांग चन्द्र से द्वादश भाव में जन्मांग चन्द्र के अंश पर आते हैं, तब ही साढ़े–साती शुरू होती है और जन्मांग चन्द्र से द्वितीय भाव में जन्मांग चन्द्र के अंश को पार करते ही समाप्त होती है।

3. फलित के सिद्धांत : साढ़े–साती के आकलन के लिए निम्न बिंदुओं का ध्यान रखना चाहिए :

1) शुभ महादशा–अंतर्दशा में साढ़े–साती अशुभ नहीं होती, केवल शुभ फलों के प्राप्त होने में कुछ देरी हो सकती है।

2) शनि अपनी उच्च, स्व या मित्र राशि पर गोचरवश अशुभ फलप्रद नहीं होता।

3) सर्वाष्टक वर्ग में यदि शनि के गोचरवश भाव में 28 या अधिक शुभ बिंदु हों, तो शनि का गोचर कष्टप्रद नहीं होगा।

4) शनि का ऐसी कक्ष्या से गोचर हो जिसके स्वामी ने वहां शुभ बिंदु दिया हो तो शनि उस अवधि में शुभ फलप्रद होता है। यदि वह ग्रह शनि का मित्र भी हो तो शुभ फल की पुष्टि हो जाती है। एक कक्षा में गोचर अवधि लगभग समय 112 दिन की होती है।

5) यदि जन्मांग चन्द्र और शनि पीड़ित हैं, तो अशुभ फल मिलने की सम्भावना अधिक होती है। इसीलिए जन्म कुंडली में शनि और चन्द्र के बल का आकलन आवश्यक है।

4. उदाहरण

पंडित जवाहरलाल नेहरू की कुंडली में चन्द्र लग्नस्थ और स्वराशिस्थ होकर बली है। जन्म समय पर ही साढ़े–साती चल रही थी क्योंकि शनि, चन्द्र से द्वितीय था। शनि की दूसरी साढ़े–साती फरवरी–1916 में आई, इस अवधि में विवाह हुआ और पुत्री इंदिरा गांधी का जन्म हुआ। तीसरी साढ़े–साती के दौरान नेहरू जी भारत

उदाहरण–1 : पुरूष, 14–11–1889, 23:00 बजे, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

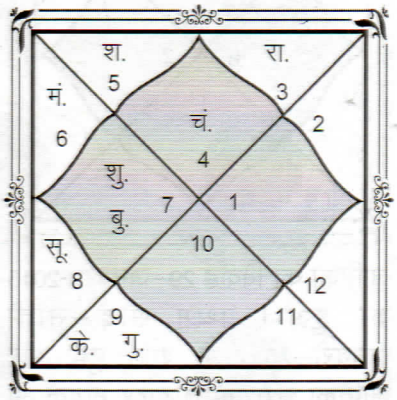

के प्रधानमंत्री बने जब लग्नेश चन्द्र की महादशा थी।

उदाहरण 2 : पुरुष 05–जनवरी–1960, 5:15 बजे, हिसार, हरियाणा।

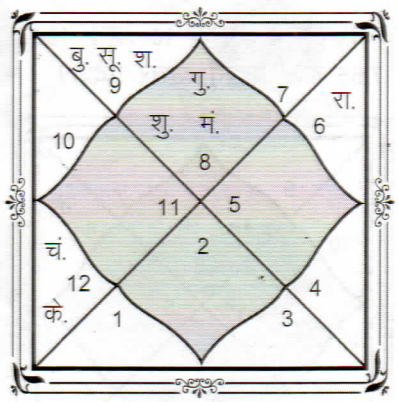

इस कुंडली में चन्द्र नवमेश हैं और पंचम में स्थित होकर राशीश से दृष्ट होकर बली हैं। द्वितीय साढ़े–साती मार्च–1993 से जून–2000 तक रही। जुलाई–1994 में पदोन्नति हुई। जून–1995 में पत्नी का गॉलब्लेडर आपरेशन हुआ। महादशा मारकेश/द्वादशेश शुक्र की और अन्तर्दशा मारक भाव में स्थित सूर्य की थी। शुक्र/राहु में जून–1999 में फ्लैट खरीदा।

उदाहरण 3 :

महिला 29–दिसम्बर–1989, 22:15 बजे, महासमुंद, छत्तीसगढ़।

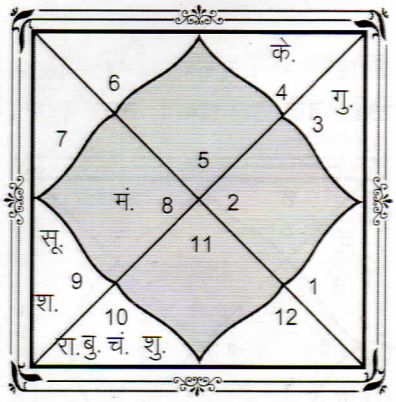

जातिका का विवाह 29–जनवरी–2015 को हुआ। प्रथम साढ़े–साती जनवरी–2017 में शुरू हुई और जातिका ससुराल छोड़कर मायके आ गई व चार माह बाद आपसी सहमति से तलाक हो गया। दशा राहु–शनि की थी। राहु छठे भाव में है और शनि षष्ठेश/सप्तमेश है।

उदाहरण 4 : पुरुष 10–जून–1987, 17.55 बजे, बदायूँ, उत्तर प्रदेश।

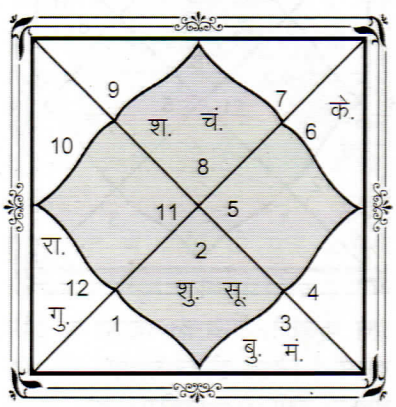

इस कुंडली में चन्द्र शुभ भावेश है परन्तु निर्बल है और शनि भी शत्रुराशिस्थ और निर्बल है। जनवरी–2012 में साढ़े–साती शुरू हुई। 20–जुलाई–2015 को बुध/गुरू दशा में एक्सीडेंट हुआ जिस कारणवश ऑपेरशन हुआ। फरवरी–2017 में बुध/शनि में शादी हुई जो तलाक का केस हुआ। अगस्त–2017 को बुध/शनि में अच्छी नौकरी छूटी। अक्तूबर–2017 को बुध/शनि में स्वयं का बिजनेस शुरू किया जिसमें आर्थिक हानि हुई। 2018 में केतु–केतु में नई जॉब मिली। मई–2019 में तलाक भी हो गया।

उदाहरण 5 : महिला, 28–अगस्त–1968 00.45 बजे, ग्वालियर, मध्य प्रदेश।

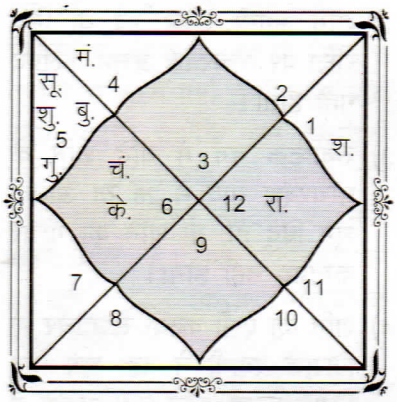

शनि की दशा जून–2006 को और साढ़े–साती जुलाई–2007 से शुरू हुई। जन्म कुंडली में शनि नीच राशिस्थ और चन्द्र पीड़ित भी हैं। अष्टकवर्ग में तुला राशि में 24 शुभ बिंदु ही हैं। अक्तूबर– 2010 को जातिका को घोर मानसिक तनाव मिला। उसके बच्चे और पति को हत्या के केस में फंसाया गया। शनि के वृश्चिक में जाने पर (साढ़े–साती समाप्त) केस में समझौता हुआ।

उदाहरण 6 : पुरुष, 11–जनवरी–1991, 11:00 बजे, लोनी, उत्तरप्रदेश। यह उदाहरण कक्षा सिद्धांत के महत्व को समझाने के लिए लिया है।

मई–14 में जातक ने CA- फाइनल के दोनों ग्रुप की परीक्षा की तैयारी शुरू की। उसे किसी ने कहा कि जैसे ही शनि जन्मांग के नीचराशिस्थ चन्द्र पर गोचर करेंगे, उसे अत्यधिक कष्ट

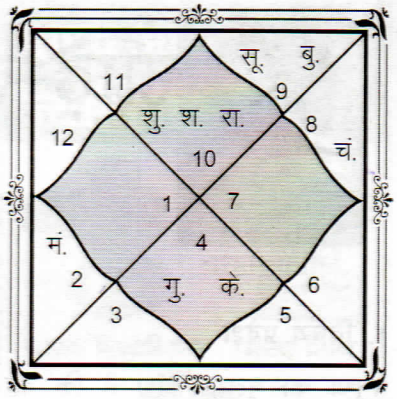

होगा। दशा थी बुध–शुक की जो शुभ प्रद हैं। शनि की प्रस्तारक वर्ग में तुला में 4 और वृश्चिक में 5 शुभ बिंदु हैं। सर्वाष्टक वर्ग में क्रमशः 39 और 38 शुभ बिन्दु हैं। नवम्बर–14 में शनि ने वृश्चिक में प्रवेश किया। प्रस्तारक में शनि की प्रथम कक्षा स्वयं शनि की ही है और द्वितीय गुरु की। दोनों कक्षाओं में शुभ बिन्दु हैं। अर्थात नवम्बर–14 से लगभग आठ महीनों के लिए शुभ फल प्राप्त होना निश्चित है। उपरोक्त गणना के आधार पर ही निष्कर्ष निकाला गया कि साढ़े–साती शिखर में और नीच चंद्रमा के ऊपर होने के बावजूद जातक को नवम्बर–14 से लगभग आठ महीने शुभ फल ही प्राप्त होंगे। बुध–शुक्र भी शुभ फल के लिए उपयुक्त थे।

5. साढ़े–साती के उपाय

शनि की साढ़े–साती में निम्न मंत्र जाप से लाभ होता है

• ऊँ नीलांजन समाभासम, रविपुत्रम् यमाग्रजम्।।

छाया मार्तंड सम्भूतम, तम् नमामि शनैश्चरम्।।

ऊँ त्रयम्बकं यजामहे सुगंधिम् पुष्टिवर्धनम।

उर्वारुकमिव बंधनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

ॐ शं शनैचराय नमः।
ॐ शनि देवाय नमः।
ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।

इसके अतिरिक्त निम्न उपाय भी लाभप्रद होते हैं :

- मांस–भक्षण और मदिरा–पान से दूर रहें।
- भगवान शिव की अर्चना, रुद्राभिषेक से शनिदेव भी प्रसन्न होते हैं।
- बूढ़े, असहाय, अपंग व्यक्तियों की यथासंभव सेवा करें।
- स्टील के लोटे में गंगाजल, थोड़े काले तिल, कच्चा दूध, चावल और मीठा (गुड, शहद, चीनी) मिलाकर 43 दिनों तक लगातार पीपल के पेड़ को अर्पित करें।
- उपरोक्त द्रव्य में थोड़ा सा दही मिलाकर शिवलिंग पर चढ़ाने से भी राहत मिलती है।

6. निष्कर्ष

शनि की साढ़े–साती की गोचर अवस्था हर व्यक्ति की कुंडली में प्रत्येक तीस साल में साढ़े–सात वर्ष के लिए बनती है। दुनिया का हर व्यक्ति हर तीस साल में साढ़े–सात साल के लिए कष्ट प्राप्त करे, इसका न तो कोई ज्योतिषीय आधार है और न ही कोई ज्योतिषीय सन्दर्भ।

सभी उदाहरण और अनुभव के आधार पर यही निष्कर्ष निकलता है कि साढ़े–साती का फल प्रत्येक कुण्डली में शनि की स्थिति, गोचर, दशा और अष्टकवर्ग के आधार पर शुभ, मिश्रित और अशुभ होती है। अतः केवल साढ़े–साती मात्र से अशुभ फल घोषित करना अनुचित है।

एफ 1/32 , कृष्णा नगर, दिल्ली–51,
मो. 9818657807

रुद्राक्ष

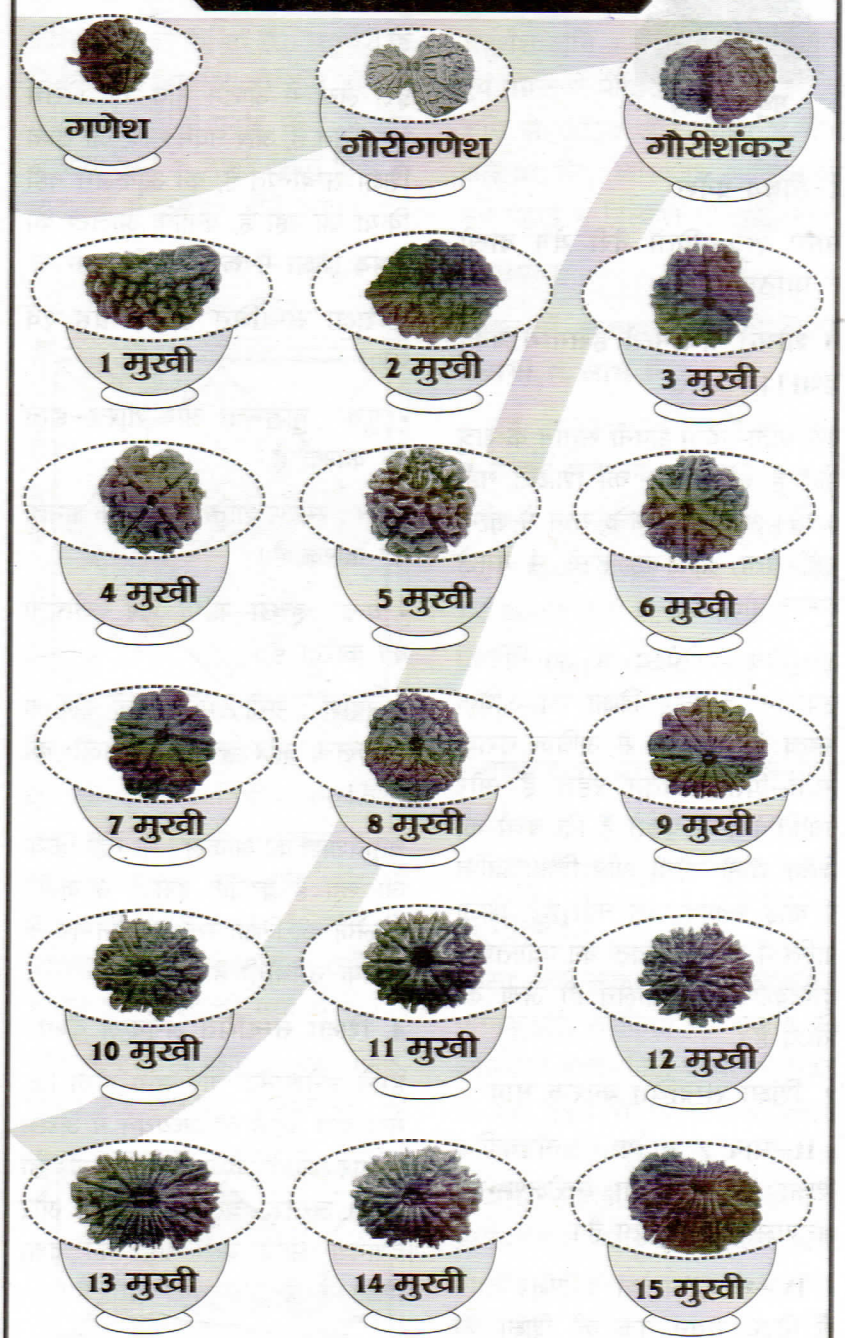

फ्यूचर पॉइंट
www.indianastrology.com
shop.futurepointindia.com

मुख्य कार्यालय –
X-35, ओखला फेज–2
नई दिल्ली–110020
फोन: 91–11–40541000–1040

शाखा कार्यालय –
B-237, सेक्टर–26
नोएडा (यू.पी.)–201301
फोन: 40541020–1022

Email : mail@futurepointindia.com, mail@atfas.com